DNA
16 Friday November 2018

ATA Carnet spurs international trade

DNA Correspondent
correspondent@dnaindia.net

Jaipur: According to the Indian Customs, the 4 pillars of Global Trade are – Goods, Services, Money and People. ATA Carnet plays a pivotal role in hassle-free temporary imports thereby, facilitating and promoting international trade.

This was stated by Special Secretary & Member (Customs), CBIC Government of India, Mr. Pranab Kumar Das while delivering a keynote address at the inaugural ceremony of the World ATA Carnet Council Meeting in Jaipur on Thursday.

He further said that the initiatives of the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) have resulted in paperless export and import clearances as well as digital customs as a result of which, India has jumped 66 places in trading across borders and 23 places in Ease of Doing Business.

city भास्कर
JAIPUR, FRIDAY, 16/11/2018.

विश्व एटीए कार्नेट परिषद का दूसरा वैश्विक सम्मेलन भारत में हुआ, बिजनेस को मिलेंगे फ़ायदे

अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने में मदद करता है एटीए कार्नेट

सिटी रिपोर्टर ▪ जयपुर

सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजिटल कस्टम्स की पहल से फायदा मिला है। इससे भारत ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में सहूलियत हुई और 23 स्थान की छलांग लगाकर ग्रोथ दर्शायी है। वर्तमान में 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट से कई फायदे मिल रहें हैं। ये बातें भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास ने कही। मौका था गुरुवार को होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का। शहर में ये मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फिक्की की

ओर से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से आयोजित हुई।

कार्नेट का उपयोग मीडिया व फिल्म शूटिंग में भी

प्रणब कुमार दास ने बताया, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अलग-अलग अलग देशों में बिजनेस के लिए जाने पर सीमा शुल्क के दस्तावेज और शुल्क भुगतान से मुक्ति मिल गई है। साथ ही ट्रांजेक्शन टाइम जैसे कई फायदे हैं। भारत सरकार के सीबीआईसी के डीजीएआरएम के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक, संदीप कुमार कहते है, पिछले कुछ सालों में कार्नेट में इनोवेशन हुए हैं। जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना, प्रेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे सेक्टर्स में कार्नेट का उपयोग होने लगा है। राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव स्वरूप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में काफी बढ़ोतरी हुई है।

क्या है एटीए कार्नेट

एटीए कार्नेट अंतराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत कस्टम दस्तावेज है, भारत के निर्यातक समुदाय इसे उपयोग में लेता है। इसका उपयोग अंतराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और बिजनेस प्रमोशन टूर में सैम्पल ले जाने के लिए किया जाता है।

राजस्थान पत्रिका . जयपुर, शुक्रवार, 16 नवंबर, 2018

एटीए कार्नेट की आयात में अहम भूमिका

जयपुर. वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के विशेष सचिव प्रणव कुमार दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ है वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में अहम भूमिका निभाता है। सम्मेलन केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क, राजस्व विभाग के तहत डब्ल्यूएटीएसए पेरिस और फिक्की की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 44 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर फिक्की के डिप्टी डायरेक्टर निरंकार सक्सेना भी मौजूद थे।

पत्रिका JAIPUR FRIDAY 16/11/2018
PLUS

शहर में शुरू हुई वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग में वक्ताओं ने रखे विचार

दूसरे देशों में आसान बिजनेस में सहायक एटीए कार्नेट

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ देश के व्यापार को बढ़ावा देने और उसे सुरक्षित बनाने के लिए एटीए कार्नेट जैसी पॉलिसीज को होना जरूरी है। वैश्विक व्यापार को प्रोत्साहन देने में पॉलिसीज सबसे महत्वपूर्ण होती है। व्यापारी आसानी से दूसरे देश में व्यापार कर सकें और उन्हें किसी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए ही एटीए कार्नेट को बनाया गया है। गुरुवार को भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य : सीमा शुल्क (सीबीआईसीए) प्रणब कुमार दास ने इसी तरह अपनी बात रखी। होटल जयमहल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के इंनोग्रल सेशन के दौरान उन्होंने कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाइम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं। डब्लूएटीएसीए पेरिस और फैडरेशन ऑफइंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से हुए इस कार्यक्रम में कई देशों के एक्सपर्ट्स ने आर्थिक नीतियों पर अपनी राय रखी।

हो रहे हैं इनोवेशन

भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना, शूटिंग प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना आदि शामिल है। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडीए राजीव स्वरुप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है।

डैली न्यूज़

जयपुर, शुक्रवार

16 नवंबर 2018

एटीए कार्नेट की आयात में महत्वपूर्ण भूमिका

डब्ल्यूएटीएसी का दूसरा वैश्विक सम्मेलन

डेली न्यूज, जयपुर। वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड, भारत सरकार के विशेष सचिव प्रणव कुमार दास ने कहा कि वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ है वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह सम्मेलन केंद्रिय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क, राजस्व विभाग वित्त मंत्रालय के तहत डब्ल्यूएटीएसए पेरिस और फेडेरेशन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में 44 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) भारत सरकार के प्रमुख अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार एवं राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडीए राजीव स्वरुप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। फिक्की के डिप्टी डायरेक्टर निरंकार सक्सेना ने कहा कि एटीए कार्नेट इज ऑफ डुइंग बिजनेस को बूस्ट करता है। आज इसके माध्यम से देश के मीडियम, स्माल और माइक्रो बिजनेस का वैश्विक विस्तार करने में और सरलता मिलेगी।

जयपुर, शुक्रवार, 16 नवंबर 2018
12 डेली न्यूज़

CITY event

जयपुर में हुई वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग

वैश्विक व्यापार का महत्वपूर्ण माध्यम है एटीए कार्नेट'

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फिक्की द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से जय महल पैलेस में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग के दौरान फिक्की के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल, निरंकार सक्सेना ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार आगामी कुछ वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। एटीए कार्नेट को भारत सरकार द्वारा 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेस' की सेवाओं में से एक के रूप में स्वीकार किया गया है। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से एटीए का प्रचार करने और सरकारी माध्यमों का उपयोग करके इसके प्रति जागरूकता लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश भर में मध्यम और लघु कंपनियों तक कार्नेट की अधिकतम पहुंच बनाने में फिक्की सक्षम रहा है।

मध्यम वर्ग के उद्यमों के स्कोप में हुआ विस्तार

कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का कहना है कि भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट, परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष रुएडी बोल्मीजेर ने कहा कि कि गत सात वर्षों में भारत में दूसरी बार वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल की बैठक आयोजित की जा रही है। उ

Nav Xpress
Jaipur | Friday
16.11.2018

वैश्विक व्यापार बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है एटीए कार्नेट : प्रणब कुमार दास

NavXpress

भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी प्रणब कुमार दास का। उन्होंने गुरूवार को जयपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में यह बात की। यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इन डायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और

डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं। राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी राजीव स्वरुप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में कुल बढ़ोतरी का 9 प्रतिशत है। वर्ष 2015-2016 में राजस्थान में वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 36,000 करोड़ रूपयों से बढ़कर वर्ष 2017-2018 में 46,500 करोड़ रूपये हो गया है। आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष रुएडी बोलीजेर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में फिक्की के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल निरंकार सक्सेना ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार आगामी कुछ वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से एटीए का प्रचार करने और सरकारी माध्यमों का उपयोग करके इसके प्रति जागरूकता लाने का आग्रह किया। इस अवसर पर कॉफी टेबल बुक - 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेसः एटीए एंड यूएन टीआईआर कार्नेट' का विमोचन भी किया गया। फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चेयर रणधीर विक्रम सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पंजाब केसरी
JAIPUR
16 नवम्बर, 2018, शुक्रवार

सीमा पार कारोबार में 66 पायदान की छलांग

पंजाब केसरी/जयपुर

भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं – वस्तुएं, सेवाएं, धन और लोग। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

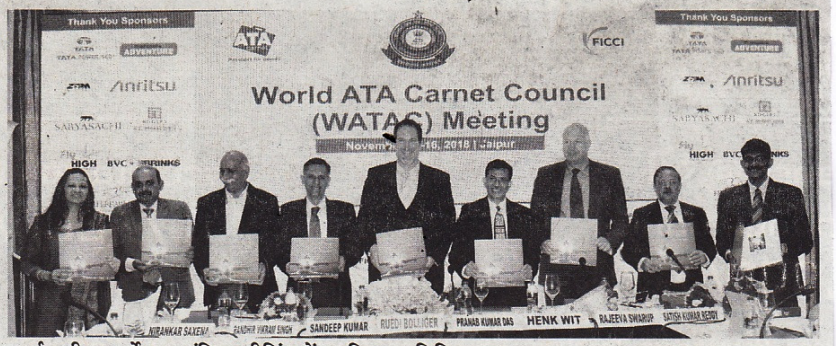

वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग में उपस्थित अतिथि।

यह कहना है भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे गुरुवार को यहां आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से कर रहा है। उन्होंने बताया कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना, प्रेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना शामिल है।

राज्य से निर्यात 46 हजार करोड़ के पार

राज्य के एडिशनल चीफ सेकेट्री (इंडस्ट्रीज) एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव स्वरुप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में कुल बढ़ोतरी का 9 प्रतिशत है। देश में राजस्थान में ही सबसे पहले वर्ष-2011 में सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम लागू किया गया था। वर्ष 2015-2016 में राजस्थान में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 36 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2017-2018 में 46 हजार 500 करोड़ रुपए हो गया है।

समाचार जगत

जयपुर, 16 नवम्बर 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग की हुई शुरुआत

एटीए कार्नेट 'वैश्विक व्यापार बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम': प्रणब कुमार दास

जयपुर। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने एवं इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थाई आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का वे गुरुवार को जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक, संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना प्रेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना, आदि शामिल है। इससे अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय व्यापारिक समुदाय बेहद लाभान्वित हुआ है। राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव स्वरुप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में कुल बढ़ोतरी का 9 प्रतिशत है।

आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष,रुएडी बोलीजेर ने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि गत सात वर्षों में भारत में दूसरी बार वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल की बैठक आयोजित की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में कार्नेट को छोटे एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमों के लिए अधिक सुलभ बनाने के साथ-साथ इसके 'स्कोप ऑफ एप्लीकेशन' में भी विस्तार हुआ है।

आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के डिप्टी चेयर,हेंक विट ने कहा कि एटीए कार्नेट को संयुक्त राष्ट्र के तहत वर्तमान 78 देशों से बढ़ाकर 128 देशों तक किया जाना चाहिए।

एशियन डवलपमेंट बैंक, नई दिल्ली के सलाहकार,सतीश कुमार रेड्डी ने कहा कि एटीए कार्नेट अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरी करता है। वस्तुओं को प्रदर्शित करना व्यापार एवं वाणिज्य के शुरुआती बिंदु होते है। इससे पूर्व अपने स्वागत भाषण में फिक्की के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल, निरंकार सक्सेना ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार आगामी कुछ वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। एटीए कार्नेट को भारत सरकार द्वारा 'ईज ऑफ डूईंग बिजनेस' की सेवाओं में से एक के रूप में स्वीकार किया गया है। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से एटीए का प्रचार करने और सरकारी माध्यमों का उपयोग करके इसके प्रति जागरूकता लाने का आग्रह किया। फिक्की की उपलब्धियों को बताते हुए उन्होंने कहा कि देश भर में मध्यम और लघु कंपनियों तक कार्नेट की अधिकतम पहुंच बनाने में फिक्की सक्षम रहा है। इस अवसर पर कॉफी टेबल बुक -ईज ऑफ डूईंग बिजनेसः एटीए एंड यूएन टीआईआर कार्नेट का विमोचन भी किया गया। फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के को-चेयर,रणधीर विक्रम सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जयपुर महानगर टाइम्स
जयपुर, 16 नवम्बर, 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

महानगर संवाददाता

जयपुर । भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं – वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

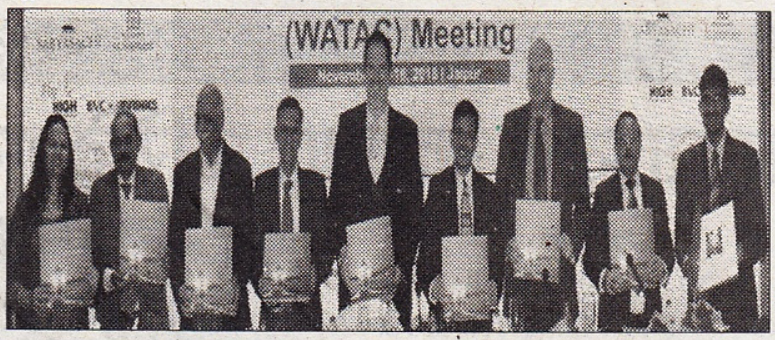

यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

नफा नुकसान

जयपुर शुक्रवार 16 नवम्बर, 2018

'ग्लोबल स्तर पर बिजनेस प्रमोट करने का प्रमुख माध्यम है एटीए कार्नेट'

■ वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग में बोले विशेषज्ञ

जयपुर। एटीए कार्नेट एक इंटरनेशनल यूनिफार्म कस्टम्स डॉक्यूमेंट हैं, जो विदेशी भूमि पर टेम्परारी इम्पोर्ट के लिए बिना किसी ड्यूटी तथा बैंक गारंटी के कस्टम्स प्रोसीजर्स एवं क्लीयरेंस को सुगम बनाता है। एटीए कारनेट का उपयोग भारत के निर्यातक अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और बिजनेस प्रमोशन टूर में सैम्पल ले जाने के लिए करते हैं। साथ ही फिल्म क्रू, आर्किटेक्ट्स, कलाकारों, इंजीनियर्स, एंटरटेनर्स, फोटोग्राफर्स, स्पोर्ट्स टीम आदि ट्रेवलिंग प्रोफेशनल्स को भी उपलब्ध है। इससे बिजनेस मैटेरियल्स, समय, धन की बचत के साथ विदेश यात्रा करने के साथ ही ग्लोबल स्तर पर बिजनेस प्रमोट करने का प्रमुख माध्यम है एटीए कार्नेट। यह जानकारी वर्ल्ड एटीए कॉरनेट (डब्ल्यूएटीएसी), पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल (डब्ल्यूएटीएसी) वर्कशॉप के शुभारंभ पर होटल जय महल पैलेस में अतिथियों ने दी।

मंचासीन अतिथियों में फिक्की के डिप्टी सेक्रेट्री जनरल निरंकार सक्सैना ,फिक्की के को-चेयर रणधीर विक्रम सिंह, सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के स्पेशल सेक्रेट्री, मैम्बर कस्टम्स प्रणव कुमार दास, एडिशनल चीफ सेक्रेट्री, इंडस्ट्रीज एवं सीएमडी रीको लिमिटेड राजीव स्वरूप, सीबीआईसी के डायरेक्टर जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट के प्रिंसिपल एडिशनल डायरेक्टर जनरल संदीप कुमार, एशियन डवलपमेंट बैंक नई दिल्ली के सलाहकार सतीश कुमार, डब्ल्यूएटीएसी, आईसीसी, पेरिस के चेयर एवं अलायन्स डेस चैम्बर्स डे कॉमर्स सुइसेज, स्विटजरलैंड के एग्जीक्युटिव डायरेक्टर रुएडी बोलीजेर, डब्ल्यूएटीएसी, आईसीसी, पेरिस के डिप्टी चेयर, नीदरलैंड चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री के एटीए कारनेट मैनेजर हेंक

विट ने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि वर्ल्ड कस्टम्स आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूसीओ) के इंटरनेशनल कस्टम्स कनवेंशन्स मे एटीए कारनेट सिस्टम को संचालित किया गया है। वर्ल्ड एटीए कारनेट काउंसिल डब्ल्यूसीओ के साथ मिलकर इस सिस्टम को प्रबंधन करती है। काउंसिल में वे सभी 78 देश शामिल हैं, जहां कार्नेट जारी और स्वीकार किए जाते हैं। एटीए कार्नेट की देश में दूसरी व राजस्थान में पहली मीटिंग हुई। मीटिंग में 44 देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। दूसरे दिन शुक्रवार को एसएमएस कन्वेंशन सेंटर में इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा।

- कार्यालय संवाददाता

जागरूक टाइम्स
जयपुर, शुक्रवार, 16 नवम्बर, 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

जयपुर। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं – वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना; प्रेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना, आदि शामिल है। इससे अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय व्यापारिक समुदाय बेहद लाभान्वित हुआ है।

दैनिक
जलते दीप
जयपुर, शुक्रवार 16 नवम्बर 2018

वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

■ जलतेदीप संवाददाता, जयपुर

भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए

कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलैस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

दैनिक
कंचन केसरी

जयपुर, शुक्रवार 16 नवम्बर 2018

जयपुर में वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान की छलांग लगाई है : दास

कंचन केसरी

जयपुर/कासं। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे। यह मीटिंग डब्ल्यूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सैंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टेक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेनेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

सीमा सन्देश
जयपुर, शुक्रवार
16 नवम्बर, 2018

सीमा पार व्यापार

भारत ने व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की लगाई छलांग

वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग का शुभारम्भ

जयपुर। भारतीय सीमा शुल्क के अनुसार वैश्विक व्यापार के चार आधार स्तम्भ हैं - वस्तुएं, सेवाएं, धन एवं लोग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एटीए कार्नेट परेशानी मुक्त अस्थायी आयात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कहना था भारत सरकार के विशेष सचिव एवं सदस्य (सीमा शुल्क), सीबीआईसी, प्रणब कुमार दास का। वे जयपुर के होटल जय महल पैलेस में आयोजित वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल मीटिंग के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण दे रहे थे।

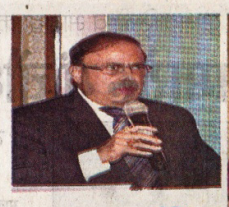

यह मीटिंग डब्लूएटीएसी, पेरिस और फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यु के सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के सहयोग से की जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि सीबीआईसी की पेपरलेस एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट क्लेरेंसेस और डिजीटल कस्टम्स जैसी पहल के माध्यम से भारत देश ने सीमा पार व्यापार में 66 स्थान और व्यापार करने में आसानी के संदर्भ में 23 स्थान की छलांग लगाई है। वर्तमान में विश्व स्तर पर 78 देशों में मान्यता प्राप्त एटीए कार्नेट के अनेक लाभ हैं, जिनमें सीमा शुल्क के दस्तावेजीकरण एवं शुल्क भुगतान से मुक्ति, माल निकासी की शीघ्र मंजूरी और ट्रान्जैक्शन टाईम और लागत में कमी आना महत्वपूर्ण लाभ हैं।

भारत सरकार के सीबीआईसी के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) के मुख्य अतिरिक्त महानिदेशक संदीप कुमार ने कहा कि गत कुछ वर्षों में कार्नेट में कुछ इनोवेशन किए गए हैं, जैसे बीमा पॉलिसियों के माध्यम से कार्नेट इंस्ट्रूमेंट्स का बैकअप करना; प्रेस, टीवी एवं मीडिया, खेल आयोजनों, फिल्म शूटिंग एवं प्रोफेशनल इक्विपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्नेट का उपयोग करना, आदि शामिल है। इससे अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय व्यापारिक समुदाय बेहद लाभान्वित हुआ है।

राजस्थान सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, इंडस्ट्रीज एवं रीको लिमिटेड के सीएमडी, राजीव स्वरुप ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग में कई गुना वृद्धि हुई है और राज्य में व्यापार करने के रेगुलेटरी एनवायरमेंट में काफी तेजी से सुधार हुआ है। वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की 27 प्रतिशत भागीदारी है, जो गत 5 वर्षों में कुल बढ़ोतरी का 9 प्रतिशत है। व्यवसाय करने की आसानी के संदर्भ में राजस्थान का नाम देश के अग्रणी राज्यों में आता है। देश में राजस्थान राज्य में ही सबसे पहले वर्ष 2011 में सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम लागू किया गया था। वर्ष 2015-2016 में राजस्थान में वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 36,000 करोड़ रूपयों से बढ़कर वर्ष 2017-2018 में 46,500 करोड़ रूपये हो गया है।

आईसीसी, पेरिस की वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल के अध्यक्ष रुएडी श्वीलीजेर ने कहा कि यह उल्लेखनीय है कि गत सात वर्षों में भारत में दूसरी बार वर्ल्ड एटीए कार्नेट काउंसिल की बैठक आयोजित की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में कार्नेट को छोटे एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमों के लिए अधिक सुलभ बनाने के साथ-साथ इसके 'स्कोप ऑफ एप्लीकेशन' में भी विस्तार हुआ है।